DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
THURSDAY, JULY 13, 2023

NAME OF NEWSPAPER------ DATED------

Delhi now has 5 microbreweries, 2 more in works

Atul.Mathur@timesgroup.com

New Delhi: You don't have to travel to Gurgaon every time you want to enjoy the freshly brewed beer.

With five outlets operational now and two in the pipeline, the concept of microbreweries is slowly catching up in the national capital. Officials said they have been getting queries from several established players in the hospitality industry to set up the plants for serving freshly crafted beer to customers.

Though the Delhi government had announced in its 2015 excise policy that it would allow restaurants and hotels to open microbreweries on their premises, the process could not start for four years as breweries were then considered "liquor-making plants", which were banned in the capital.

It was only in September 2018 that the Delhi Development Authority, at its board meeting, cleared the proposal to facilitate the setting up of microbreweries by removing it from the list of "prohibited" industries under the Master Plan Delhi 2021, provided that an onsite wastewater treatment facility is installed on the premises. The applicant was also required to take the approval of the water treatment system from Delhi Pollution Control Committee (DPCC).

It was, however, only after the Ministry of Urban Housing and Affairs notified the change in February this year that the process to set up microbreweries in Delhi picked up speed.

Officials said after completing a lengthy process of the installation of the water treatment system as per the guidelines, the applicants managed to take the approval of the DPCC and the excise department started issuing the licences.

The licence to set up the first microbrewery was issued in September last year. Till now, five microbreweries have come up in the city – two in Connaught Place, one at a five star hotel at Ashoka Road and one each in Saket and Hauz Khas – while inspection of two more – one at Avenue Mall, Saket and another at Ambience Mall, Vasant Kunj – has been completed and the licence would be issued soon.

BREWERY OWNER SAYS

A choice of 12-14 true craft beers is now available in Delhi and that too at everyday value in pricing. We see no reason for anybody to travel to any other city to enjoy freshly brewed craft beer

Excise officials said the industry was a little apprehensive initially but now, with licences being issued to anyone completing the formality – more players look interested. The department gets the excise duty on the total capacity of the brewery and does not have a say in deciding the rate of the crafted beer.

Under the policy, restaurants, hotels, and clubs will be able to set up microbreweries with a capacity of up to 500 litres a day. In the neighbouring Gurgaon, where microbreweries have been in operation for the last few years there are at least 50 such outlets that attract beer lovers.

With beer consumption steadily rising in the city, microbreweries in Delhi are likely to become a big revenue generator for the excise department.

The freshly brewed beer has the alcohol content of at 4% to 8% and is devoid of any preservatives and artificial flavouring, which makes it popular. "A choice of 12-14 true craft beers is now available in Delhi and that too at everyday value in pricing. We see no reason for anybody to travel to any other city to enjoy freshly brewed craft beer. In fact, we've been noticing an influx of customers from adjoining areas who are tired of consuming sub-standard produce," said Manish Tandon, the owner of a microbrewery.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली
गुरुवार, 13 जुलाई 2023
AME OF NEWSPAPERS----------DATED----------

यमुना ने तोड़ डाले अब तक के सारे रेकॉर्ड

कई इलाके डूबे, आज और बढ़ सकता है नदी में पानी

Sudama.Yadav@timesgroup.com

नई दिल्ली : दिल्ली में यमुना नदी के जलस्तर ने अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। बुधवार रात 10 बजे के करीब यमुना का जलस्तर 208.05 मीटर रेकॉर्ड किया गया। इससे पहले 1978 में पहली बार लोहे वाले ब्रिज के पास जलस्तर 207.49 मीटर रेकॉर्ड किया गया था। इसके बाद से यमुना का जलस्तर इतना कभी भी नहीं बढ़ा। अनुमान था कि पानी का स्तर 208 मीटर तक गुरुवार को पहुंचेगा पर यह बुधवार रात ही इस स्तर को पार कर गया। अधिकारियों का कहना है कि गुरुवार को पानी 210 मीटर तक पहुंचने का अनुमान है। ऐसे में 24 से 48 घंटे दिल्ली पर भारी गुजरने वाले हैं। बाढ़ के चलते जितने बड़े नाले हैं, उनका बहाव पूरी तरह से रुक गया। अगर पानी का लेवल और बढ़ता है, तो नालों से यमुना का पानी दिल्ली में फैल सकता है। DDA फ्लैट्स मुखर्जी नगर में नजफगढ़ नाले का गंदा पानी आ गया है। जलस्तर में बढ़ोतरी का मुख्य कारण हरियाणा के यमुनानगर स्थित हथिनी कुंड बैराज और आसपास के खेतों से बारिश के पानी का यमुना में आना है। यमुना बाजार के 32 घाट कॉलोनी में स्थित घरों में पहली मंजिल डूब गई। निचले इलाकों से 10 हजार लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाया गया। दिल्ली पुलिस ने संवेदनशील इलाकों में धारा 144 लगा दी। पेज 2, 3

PTI

निचले इलाकों से प्रभावित लोगों को निकाला जा रहा है।

मदद करे केंद्र : केजरीवाल

दिल्ली सरकार ने केंद्र से दखल देने का अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखकर हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से नियंत्रित स्तर पर पानी छोड़ने की अपील की है। केजरीवाल ने कहा कि कुछ हफ्तों में दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन है। यहां बाढ़ आई, तो दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। हमें मिलकर दिल्ली के लोगों को इस स्थिति से बचाना है।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

THE INDIAN EXPRESS, THURSDAY, JULY 13, 2023

NAM

If I leave, I'll never be able to return: Man refuses to move out

UPASIKA SINGHAL
NEW DELHI, JULY 12

HARKESH KASHYAP (40) is staring at homelessness for the second time in four months. In March, his home on the edges of Asita Park near Rajghat was demolished following Delhi Development Authority's (DDA) orders to beautify and preserve the Yamuna floodplains.

He set up a makeshift abode around the same area, but with water in the Yamuna rising, he has been asked by authorities to evacuate the spot. But Kashyap is adamant. "I'm scared that if I leave, I'll never be able to come back," he said.

Harkesh Kashyap

Talking about the March demolition, he said, "They came in without warning and started breaking our houses. We had appealed to courts to reverse the order but before it could consider our request, our houses were demolished."

Kashyap's family had been living in the area for two generations. The land on the Yamuna floodplains was given to his father by the government in lieu of his farming land in the present-day ITO. The floodplains land is now part of a park used to host G-20 events. "I had five bighas (three acres) of land before this. It used to be where the water is now," said Kashyap, pointing at the river.

Even as most of his neighbours have left, Kashyap has no plans of moving out, despite warnings and assurances by police. He expressed fear that the DDA will prohibit him from setting foot on the floodplains again. "I have papers to prove my ownership," he said.

दैनिक जागरण नई दिल्ली, 13 जुलाई, 2023

यमुना का जलस्तर बढ़ा, तो जी-20 सम्मेलन से पहले ही डूब गया 'असिता ईस्ट'

निशिल पाठक • पूर्वी दिल्ली

राजधानी में यमुना उफान पर है। जलस्तर खतरे के निशान से काफी ऊपर पहुंच गया है। यमुना का जलस्तर बढ़ने से जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए खादर क्षेत्र में तैयार किए गए असिता ईस्ट का 'अस्तित्व' ही खो गया है। असिता ईस्ट के विकास में अब तक करीब 12 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। यहां विकसित किए गए हरित क्षेत्र, सेल्फी प्वाइंट, पैदल मार्ग, विदेशी प्रजाति के रंग-बिरंगे फूल, प्रवासी व स्थानीय पक्षियों की विभिन्न प्रजातियां व जलाशय सहित अन्य प्राकृतिक सुंदरता दर्शाने के सपने पर पानी फिर गया है। हालात ऐसे हैं कि जलस्तर कम होने के बाद भी जी-20 के लिए इसको संवार पाना काफी मुश्किल हो जाएगा।

यमुना का जलस्तर बढ़ने से जलमग्न हुआ असिता ईस्ट • ध्रुव कुमार

सराय काले खां के पास बांसेरा पार्क के पिछले हिस्से में भरा पानी • जागरण

इस वर्ष सितंबर में आयोजित होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी का जिम्मा भारत को मिला है। इसके लिए दिल्ली में भी तैयारियां जोरों पर थीं। प्रकृति के निकट ले जाने के लिए खादर क्षेत्र में असिता ईस्ट तैयार किया गया था। असिता ईस्ट 197 हेक्टेयर में बनना था। आइटीओ के पुल से लोहे वाले पुल के बीच में यह परियोजना चल रही थी। इसमें 90 हेक्टेयर का एक हिस्सा डीडीए का था, जिसका उद्घाटन दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने पिछले साल सितंबर में किया था। शेष 107 हेक्टेयर भाग उत्तर प्रदेश के सिंचाई विभाग का है, जिसका विकास डीडीए ही कर रहा है। उद्घाटन के समय इस परियोजना को पूर्ण रूप से विकसित करने में 20 करोड़ रुपये की लागत बताई गई थी।

असिता में अब तक ये काम हो चुके थे

- चार हजार से अधिक पेड़
- 33.5 लाख नदी वाली घास
- 800 गोल्डन बांस के पेड़
- तीन खजूर के पेड़
- नजारे का लुत्फ उठाने के लिए 10 बेंच
- डहेलिया, बबूने, एलाइसम, नीलकूपी, कैलेंडुला, हालिहाक, आफियम पापी सहित अन्य प्रजाति के रंग-बिरंगे फूल
- जैव शौचालय, शेल्टर, मार्गदर्शक बोर्ड, मल्टीपर्पज एरिया, 'मेरी यमुना' सहित अन्य सेल्फी प्वाइंट

बांसेरा पार्क में भी हुआ जलभराव

राजधानी के पहले बैंबू (बांस) थीम पार्क 'बांसेरा' के कुछ इलाके में भी जलभराव हो चुका है। यहां पर असम से लाए गए 25 हजार से अधिक विशेष किस्म के बांस के पौधे लगाए गए हैं। यह पार्क 10 हेक्टेयर क्षेत्र में तैयार किया गया है। यहां बांस के पेड़ों के नीचे बैठने की व्यवस्था है। कियोस्क, हट, वाच टावर और ग्रीन वे भी तैयार किया गया है।

असिता ईस्ट में पानी भर गया है। मेरी डीडीए के उद्यान विभाग के अधिकारियों से बात हुई है। उनके अनुसार पौधे सात दिन पानी में डूबे रहे तो खराब हो जाएंगे। अगर पानी इस अवधि से पहले उतर गया तो पौधे बच जाएंगे। यमुना का जलस्तर बढ़ने पर बीते सालों में यहां कभी पानी नहीं भरा। - अभय वर्मा, विधायक, लक्ष्मी नगर

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS- अमर उजाला ----------DATED बृहस्पतिवार, 13 जुलाई 2023

यमुना में गिरने वाले नाले बंद, सीवर ओवरफ्लो

नदी का जलस्तर बढ़ने पर 17 नाले बंद किए हैं सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। यमुना नदी में जलस्तर का रिकॉर्ड टूटने पर सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने उसमें गिरने वाले वाले अपने 17 नाले बंद कर दिए है। विभाग व एमसीडी इन नालों का पानी पंपों के माध्यम से यमुना नदी में डालने लग गए है। उधर, कुछ इलाकों में सीवर व नाले-नालियों के ओवरफ्लो होने की शिकायतें आनी शुरू हो गई है। लिहाजा राजधानी में बारिश होने पर यमुना नदी से दूर दराज रिहायशी इलाकों में भी बाढ़ के हालात हो सकते हैं।

सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने यमुना नदी में गिरने वाले अपने 17 नालों के स्लूस गेट बंद कर दिए गए है। इसके चलते बरसाती पानी की निकासी का रास्ता बंद हो गया है और नाले उफान पर आने पर बारिश का पानी सड़कों एवं गलियों में बहना तय है। पीडब्ल्यूडी और एमसीडी के करीब पांच हजार छोटे बड़े नाले है और उनका पानी बंद किए गए 17 नालों के माध्यम से यमुना नदी में पहुंचता है।

इसी तरह सीवरेज का पानी भी इन नालों के माध्यम से यमुना नदी में जाता है। इस कारण बारिश होने पर अधिकांश रिहायशी इलाकों को बाढ़ से कोई नहीं बचा पाएगा। क्योंकि पीडब्ल्यूडी और एमसीडी के सभी नालों की समुचित निकासी की व्यवस्था बंद हो गई और अब बारिश होने पर उसके नाले ओवर फ्लो होने तय है। बारिश का पानी सड़कों एवं गलियों में पानी जमा होने की संभावना हो गई है। उधर, मुखर्जी नगर, मॉडन टाउन, राणा प्रताप बाग, तिमारपुर, जहांगीरपुरी, नजफगढ़, विकासपुरी, उत्तम नगर, जनकपुरी आदि इलाकों में सीवर ओवरफ्लो की शिकायतें आनी शुरू हो गई है। इस संबंध में प्रभावित लोगों ने दिल्ली जल बोर्ड के समक्ष शिकायत की है।

एसएफएस डीडीए सोसाइटी मुखर्जी नगर में भरा सीवर का पानी। अमर उजाला

नाजुक मौके पर फेल हुई केजरीवाल सरकार : बिधूड़ी

नई दिल्ली। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि केजरीवाल सरकार एक बार फिर से नाजुक मौके पर फेल साबित हुई। कोरोना और डेंगू के बाद अब दिल्ली सरकार बारिश और बाढ़ से निपटने में भी पूरी तरह फेल हो गई है। बिधूड़ी ने कहा कि राजधानी क्यों डूबी, जनता को यह जवाब मुख्यमंत्री को देना होगा। बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली में दो दिन की बारिश ने सरकार के तमाम दावों को झूठा साबित कर दिया। जनता को यह जानने का हक है कि दिल्ली में मानसून से पहले क्या तैयारी की गई, कितने नालों की सफाई की गई, सफाई पर कितना खर्च हुआ और अगर सफाई हुई थी तो फिर दिल्ली क्यों डूबी? चूंकि अब दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी का शासन है तो अब कोई बहाना नहीं चल सकता। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल यह कहकर नहीं बच सकते कि बारिश बहुत ज्यादा हुई थी। अगर मानसून के दौरान बारिश नहीं होगी तो कब होगी? सवाल तो यह है कि आपने दिल्ली को बचाने के लिए कितने प्रयास किए। ब्यूरो

हर घर जाकर डेंगू पर होगा प्रहार

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। अब हर घर जाकर डेंगू पर प्रहार किया जाएगा। दिल्ली सरकार ने इसके लिए फुल प्रूफ प्लान तैयार किया है। स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बुधवार को संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की और कहा कि डोमेस्टिक ब्रीडिंग चेकर्स पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। ये सुनिश्चित किया जाएगा कि वे घर घर पहुंच रहे हैं। डेंगू की रोकथाम के लिए स्कूली बच्चों की मदद भी ली जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने जागरूकता अभियानों और सूचना संचार को बढ़ाकर सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने के लिए अधिकारियों को काम करने के लिए कहा। बैठक में स्वास्थ्य विभाग, एमसीडी, एनडीएमसी, दिल्ली जल बोर्ड, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, शिक्षा आदि विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

सौरभ भारद्वाज ने बताया कि दिल्ली में अप्रैल, मई, जुलाई में बारिश हो रही है, जिसके चलते डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया जैसी वेक्टर जनित बीमारियों के पनपने की आशंका जताई जा रही है। इन बीमारियों की रोकथाम के लिए सबसे अहम भूमिका एमसीडी, एनडीएमसी की है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि डीबीसी (डोमेस्टिक ब्रीडिंग चेकर्स) घर-घर जाकर केवल दवाइयों का छिड़काव ही नहीं करेंगे, बल्कि यह भी पता लगाएंगे कि उस परिवार में किसी डेंगू से संबंधित लक्षण तो नहीं है। इसके बाद मेयर शैली ओबरॉय ने भी निगम के संबंधित अधिकारियों के साथ इस मुद्दे पर मीटिंग की और खासकर डीबीसी कर्मियों को सही से काम करने की नसीहत दी। बाढ़ प्रभावित इलाकों पर नजर बनाए रखने के लिए कहा। वहां पर समय से पूर्व फॉगिंग करने के लिए कहा।

स्वास्थ्य मंत्री ने अफसरों को दिए बीमारी की रोकथाम के लिए सख्त कदम उठाने के निर्देश